

कार्यालय - प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बड़वानी (म.प्र.)

पृ.क्रमांक /1097/दो-12-4/2006

बड़वानी, दिनांक 22/04/2024

प्रतिलिपि :-

- (1) विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज), बड़वानी ।
- (2) प्रथम / द्वितीय, जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, बड़वानी / सेंधवा।
- (3) प्रथम व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बड़वानी ।
- (4) व्यवहार न्यायाधीश, वरिष्ठ खण्ड एवं न्या.मजि.प्र.श्रेणी अंजड़ / सेंधवा ।
- (5) द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड एवं न्या.मजि.प्र.श्रेणी बड़वानी ।
- (6) प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड एवं न्या.मजि.प्र.श्रेणी बड़वानी ।
- (7) व्य.न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड एवं न्या.मजि.प्र.श्रे. अंजड़/ राजपुर/ सेंधवा/खेतिया।
- (8) अति. व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड एवं न्या.मजि.प्र.श्रे.अंजड़/राजपुर/सेंधवा
- (9) शीघ्रलेखक, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, बड़वानी ।

की ओर माननीय उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश, जबलपुर का जापन क्रमांक क्र.बी/1025, जबलपुर दिनांक 10.04.2024 की छायाप्रति अचल संपत्ति के क्रय/विक्रय के संबंध में म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 19(2) का कठोरता से अनुपालन किये जाने के निर्देश के साथ सूचनार्थ एवं पालनार्थ प्रेषित है ।

संलग्न :- उपरोक्तानुसार ।

(आनंद कुमार तिवारी)

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,

बड़वानी (म.प्र.)

20 APR 2024

OC

Delt
18/4/24
2

:: HIGH COURT OF MADHYA PRADESH : JABALPUR ::

// MEMORANDUM //

No. B/1025

Jabalpur, dated 10/04/2024

To,

Principal District & Sessions Judge,
Bhindwani (M.P.)/
Principal Judge, Family Court,
_____ (M.P.)/
Registrar, Industrial Court,
_____ (M.P.)/
Member Secretary, M.P. State Legal Services Authority
_____ (M.P.)
Director, State Judicial Academy,
_____ (M.P.)

कार्यालय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय	
जबालपुरी (म.प्र.)	
संख्या	528
दिनांक	18 APR 2024
प्रशासनिक अधि	

Sub :- Regarding compliance of Rule 19(2) of M.P. Civil Services (Conduct) Rules, 1965.

Ref :- This Registry Memo No. C/4558 dt. 09-09-22

On the above subject and reference, it has been observed that despite directions to all concerned, vide the above referred letter, some of the judicial officers provide information regarding sale/purchase of immovable property, only after purchasing/selling the same. Such conduct is violation of Rule 19(2) of the M.P. Civil Services (Conduct) Rules, 1965, which reads as under :-

"No Government servant shall, except with the previous knowledge of the prescribed authority, acquire or dispose of any immovable property by lease, mortgage, purchase, sale, gift or otherwise either in his own name or in the name of any member of his family."

Therefore, as directed, I am to request you to direct all Judicial Officers posted under your jurisdiction to follow the aforesaid Rule mandatorily and also inform them that non-compliance of the said rule shall be viewed seriously.


(HEMANT JOSHI)
PRINCIPAL REGISTRAR
(VIGILANCE)